जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत उज्जैन में 25-26 मई को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा

भोपाल में होगा 27 मई से 2 जून तक सदानीरा समागम, मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जन अभियान बना जल गंगा संवर्धन अभियान, शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में लोक गायिका मैथिली ठाकुर और भारतीय नौसेना बैंड की होगी मनमोहक प्रस्तुति, सदानीरा समागम में 9 देशों के राजदूत और प्रमुख कॉर्पोरेट प्रतिनिधि होंगे शामिल, नदी, तालाब और जल संरचनाओं के संरक्षण पर होगा राष्ट्रीय विमर्श

माधव एक्सप्रेस ● प्रतिनिधि
www.madhavexpress.com

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जल आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। राज्य में नदी, तालाब और पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित एवं संवर्धित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान अब व्यापक जनभागीदारी के साथ एक जन अभियान का रूप ले चुका है। इस अभियान में प्रदेश में अब तक 1 लाख 81 हजार 763 जल संरक्षण संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा उज्जैन में 25-26 मई को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन में प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर सहित कई लोकप्रिय कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इसके साथ ही, भारत नाट्य द्वारा भोपाल में भारत भवन में 27 मई से 2 जून तक सदानीरा समागम का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार और महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने बताया कि उज्जैन में गंगा दशमी के अवसर पर होने वाली शिप्रा तीर्थ परिक्रमा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण आयोजन है। 25 मई को शुरू होने वाली यह परिक्रमा रामघाट से प्रारंभ होकर नृसिंघघाट, कर्कराज मंदिर, चौबारा, महापूर्णपुजा द्वार और प्रसिद्धिमा शनि मंदिर से होते हुए दत्त अखाड़ा घाट पहुंचेगी। पांच के पहले दिन श्रद्धालु वहां सांध्य विश्राम करेंगे। अगले दिन, गंगा दशमी के अवसर पर यह परिक्रमा रामघाट हनुमान मंदिर, गोपालघाट, सिद्धघाट, गंगाजलघाट, मोतीगंज अखाड़ा, खाकचौक और रोशन मंदिर से होते हुए पुनः रामघाट पर पहुंचकर संपन्न होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इस परिक्रमा के दौरान नई शिप्रा को 300 फीट की चुनरी अर्पित की जाएगी।

उज्जैन में 25-26 मई को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत रामघाट पर पंडित छेदी बुधा द्वारा नाद कथा गायन परंपरा पर आधारित प्रस्तुति का आयोजन 17 मई से प्रतिदिन सायं 7:30 बजे किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, दत्त अखाड़ा घाट पर आयोजित भजन संध्या में इंदौर के श्रेयस शुक्ला एवं साथी तथा नक्कलपुर की लोक गायिका संजो बघेल एवं साथियों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी। 26 मई को होने वाले मुख्य कार्यक्रमों में भारतीय नौसेना (इंडियन नेवी) के बैंड की प्रस्तुति होगी। इसके साथ ही मुंबई के केशवम् बैंड द्वारा भजन जैमिंग और प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर एवं साथियों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

न्यासी सचिव तिवारी ने बताया कि भारत भवन में 27 मई से 2 जून 2026 तक सदानीरा समागम का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 मई को शाम 7 बजे इसका औपचारिक शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी करेंगे। इस अवसर पर इसरो वैज्ञानिक के भू-विज्ञान समूह के समूह निदेशक डॉ. ईश्वर चंद्र राय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सात दिवसीय सदानीरा के माध्यम से जल संरक्षण, भारतीय संस्कृति और पंचमहाभूतों (जल, पृथ्वी, वायु, आकाश) और अग्नि) पर केंद्रित एक राष्ट्रीय विमर्श आयोजित होगा। इस आयोजन में देश-विदेश के विद्वान, वैज्ञानिक, कलाकार, पर्यावरणविद् और नीति-निर्माता शामिल होंगे। यह पहला अवसर है जब इसरो, जैसे इसरो, एचएएल फाउंडेशन, जैके सोमेंट, नेहरूयुवा, टाटा ट्रस्ट, एमडीएल, आईजीआरएमएस, डीटी फ्यूचर एनर्जीज, ओएनजीसी, हिन्दुस्तान पावर, वेदांता ग्रुप और टाटा संस जैसी बड़ी कंपनियों व संस्थाओं के प्रतिनिधि जल संरक्षण के विषय पर एक मंच पर एकत्रित हो रहे हैं। इस समागम में फिल्मों, विमर्शों एवं टीवीसी, वेनेजुएला, वैनिसको, सूरीनाम, इक्वाडोर, साइप्रस और नेपाल सहित 9 देशों के राजनयिक प्रतिनिधि भी भाग लेंगे, जिसमें यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले रहा है।

सदानीरा समागम में भारतीय दर्शन के पंचमहाभूतों पर आधारित विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में भूगर्भीय जल स्रोत, पर्यावरण, नवीकरणीय ऊर्जा, संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। इसमें देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं जैसे इसरो, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, आईआईएम बोधगया और विभिन्न कॉर्पोरेट संस्थानों के वैज्ञानिकों (इसरो) प्रमुख हिस्सा लेंगे।समागम के दौरान प्रतिदिन शाम को मूल-चर्चाएं, लोकगायन और रंगमंचीय प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। इनमें भारतीय नौसेना बैंड की जिम्नेनी, रोमांचक लोरा, गंगा धारा, अमृतमय, नदी गीत, पानी नाच, लघुफिल्म नगर, जल प्रवाह, नमामि हर, स्वानलेक, डिस्टिल्ड पोइट और नगीना हर कंकर संकर जैसी प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण होंगी। इसके साथ ही, दर्शक कॉफिल की घूट डॉस कॉफी की प्रस्तुति विशेष रूप से आयोजित की जा रही है। दर्शकों को सांस्कृतिक संस्कृति से जोड़ने के लिए महाकाल, त्रिवाड़, बुंदेलखंड और बघेलखंड की लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

समागम में 28 मई से 2 जून तक प्रातः भजन के अतिरिक्त सत्संगों में प्रवाह जिन्दा समागम का आयोजन किया जाएगा। इसमें जल केंद्रित विषयों पर आधारित हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं की 15-15 डॉक्यूमेंट्री और डॉक्यू-ड्रामा फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इन फिल्मों में प्रमुख रूप से जल संकट, गंगा नदी, जल डाकू, जब हा एक बूंद मायने रखती है, खतरे में नदियां और अविरल बूंद शामिल है। इसके साथ ही, परिसर में जल, जंगल, जीवन पर केंद्रित राष्ट्रीय जनजातीय चित्रांकन कार्यशाला और पारंपरिक चित्र पेंटिंग्स में जल कार्यशाला का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें देश भर के कलाकार भाग लेंगे।

सदानीरा समागम के दौरान जल पर केंद्रित 4 विशेष प्रदर्शनियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें लघु चित्रों में जल, भूगर्भीय जल स्रोत, मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान और जलधरा मानीय जीवन के प्रमाणपत्र शामिल हैं। इन प्रदर्शनियों के आयोजन में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय और हेरीटेज प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल सहयोग कर रहे हैं।

समागम में जल और संस्कृति पर आधारित 6 पुस्तकों का विमोचन भी किया जाएगा। इनमें वीर भारत न्यास और मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की पुस्तक अंतर्मनी पाठ, वीर भारत न्यास की पुरोधाल, प्रियांकर शुक्ल की आत्मा की घाटी में पानी का संगीत, दिनेश पाठक की पुरुषोत्तम जल, रामेश्वर किंकरी की जल, संस्कृति और डॉ. प्रदीप मिलनाथी की पुस्तक स्थापना और लोक तीर्थ यात्राएं शामिल हैं।

यह समागम भारत भवन, मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, जनपदीय विकास, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, संस्कृतकला पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय, माधवराव सप्रे पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, दशपुर टेकड़ी शोध संस्थान, पुणाइटेड कॉलसलेस, सेज यूनिवर्सिटी, एनएमडीटी यूनिवर्सिटी, सैक सोसल यूनिवर्सिटी और जिला प्रशासन, भोपाल के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश विधान सभा की कृषि विकास समिति ने भाकृअनुप-केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल का भ्रमण कर फसल अवशेष एवं पराली प्रबंधन के सतत समाधानों पर की चर्चा

माधव एक्सप्रेस ● प्रतिनिधि
www.madhavexpress.com

भोपाल। मंगलवार, 19 मई 2026 को मध्यप्रदेश विधान सभा की कृषि विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने भाकृअनुप-केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल का भ्रमण किया तथा फसल अवशेष प्रबंधन एवं पराली जलाने की गंभीर समस्या पर एक महत्वपूर्ण बैठक एवं विचार-विमर्श आयोजित किया। बैठक में विशेष रूप से मध्य प्रदेश में फसल अवशेष प्रबंधन की वर्तमान स्थिति, चुनौतियां, पर्यावरणीय प्रभाव तथा उनके सतत समाधानों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कृषि विकास समिति, मध्य प्रदेश विधान सभा के सभापति ठाकुरदास नागवंशी ने अपने उद्बोधन में फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित तकनीकों के मूल्यांकन एवं प्रसार में समिति की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृषि अवशेषों के अनुचित प्रबंधन से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख करते हुए संसाधनों, जैव-विविधताओं, उर्वरता एवं किसानों के बीच समाविष्ट प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा सके।

विधान सभा सचिवालय के अपर सचिव उमेश शर्मा ने कृषि विकास समिति बैठक के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने फसल अवशेषों की बढ़ती मात्रा एवं पराली जलाने से होने वाले पर्यावरणीय एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रभावी प्रबंधन रणनीतियों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने पराली प्रबंधन के संबंध में कार्यशाला अध्यक्षीय विमुक्त उत्पादन, पेलेट निर्माण, पर्यावरण उत्पादन, बायोगैस एवं बायो-सीएनजी उत्पादन, बिजेटिंग तथा कार्बोहाइड्रेट जैसे विकल्पों पर भी विस्तार से जानकारी दी।

मीडिया प्रभारी डॉ मनोज पिपलौदे ने बताया कि, बैठक में कृषि विकास समिति, मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य शिव नारायण सिंह, श्रीकांत चतुर्वेदी, निर्मल पंडित एवं साहब सिंह हुनी, विधान सभा सचिवालय के अपर सचिव उमेश शर्मा, कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय, मध्य प्रदेश के संचालक पी. एस. रथम तथा मध्य प्रदेश विधान सभा सचिवालय के सूचना अधिकारी महावीर सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे। चर्चा के दौरान किसानों के बीच फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने, उपयुक्त कृषि यंत्रों के प्रचार-प्रसार एवं अनुदान, प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन प्रदर्शन कार्यक्रमों के आयोजन तथा पराली प्रबंधन के माध्यम को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया गया। कृषि विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भी भ्रमण किया, जहां संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अंत में परियोजना समन्वयक डॉ. वी. के. भार्गव ने आभार प्रदर्शन किया।

विकास प्रक्रिया में जनजातीय समाज को शामिल करने प्रधानमंत्री मोदी ने बनाई नीतियां : मंत्री डॉ. शाह

तकनीकी आधारित जनजाति विकास की अवधारणा पर कार्यशाला का शुभारंभ

माधव एक्सप्रेस ● प्रतिनिधि
www.madhavexpress.com

भोपाल। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समाज की पीड़ा को समझा और विकास प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) योजना एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष जैसी पहल से जनजातीय समाज के उत्थान के लिए ठोस कार्य हो रहे हैं। वे मंगलवार को भोपाल के आदि भवन में जनजातीय गरिमा उत्सव के तहत तकनीकी आधारित सतत् जनजाति विकास अवधारणा पर आयोजित कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में प्रमुख सचिव गुलशन बामरा, आयुक्त डॉ. सतीश सिंह सहित प्रदेश से आए विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। पारधान विभाग गुप्त के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यशाला का शुभारंभ किया।

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि वे वर्ष 1990 से लगातार जनजातीय सेवा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जनजातीय समाज के साथ लगातार कार्य किया है। विभागीय अधिकारी भी सतत् रूप से गांवों में और जनजाति अंचल के बीच जाएं और उनके जीवन को नजदीक से देखें। साथ ही प्रत्यक्ष अनुभव से जो परिस्थितियां सामने आती हैं उसे समझें और उसके अनुरूप कार्य करें। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि जनजाति वर्ग के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को उनके द्वार तक पहुंचाने के लिए -जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले- अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान में शिविरों के माध्यम से 18 विभागों की 25 योजनाओं का लाभ जनजाति वर्ग के प्रतिनिधि को दिलाया जाएगा।

मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि किस तरह से जनजाति अंचल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि सन 1990 के दशक से लेकर अब तक स्थितियां बदल चुकी हैं। अब जनजातीय समाज, विकास की मुख्यधारा में शामिल है। मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र में आसन्नकाड़ी कोठी में 50 हजार पौधे की बॉटल वितरित कर रहे हैं। साथ ही पौधों से बना बासुरी बजा तक के 45 हजार बच्चों को पेटमल के लिए पौधों की बॉटल प्रदान की है। अपने विधानसभा क्षेत्र की 150 ग्राम पंचायतों में वॉटर कूलर और आरओ लगाया है। इसमें हर रोज, हर स्कूल में शुद्ध पेयजल सुलभ होगा। उन्होंने कहा कि जनजाति अंचल की बच्चियां शहर के कॉलेज जाने में हिचकिचाती हैं और शुक्रियाओं के अभाव में उच्च शिक्षा छोड़ भी देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में उन्होंने प्रायोगिक तौर पर अपने क्षेत्र में 4 बसें संचालित की, जिससे कॉलेज जाने वाली बालिकाओं की संख्या 30 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा का अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार होना चाहिए। कार्यशाला में आयुक्त जनजातीय क्षेत्र विकास डॉ. सतीश सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यशाला में आनंदिका तथा रोमांच में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग पर सेंसर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजय शुक्ला ने अपना उद्बोधन दिया। सतत जनजातीय विकास में जीआईएस तथा उपग्रह सुदूर संवेदन विषय पर आईआईएसआर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कुमार रौनक ने भी संबोधित किया।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में जनजातीय आजीविका तथा उद्यमिता विकास विषय पर आईएएस अवार्ड ट्राइबल श्रीमती प्रीति मैथिल ने संबोधित किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारतीय कृषि को बदल रहा है विषय पर आईआईआईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शुभजोति देब ने संबोधित किया। साथ ही -स्थायित्व के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग- विषय पर आईआईआईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निशिन कुमार सिंह ने जानकारी दी।

मगा कोशल्या में तीन दिवसीय डी.पी.एल. समाधान कैम्प 1 जून से

खरगोन/भोपाल,निप्र/माधव एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देशानुसार महापौर कोशल्या के समस्त अंचल एवं संभागीय अधिकारियों के साथ दिनांक 01 जून 2026 से 03 जून 2026 तक ई-रक्ष खरगोन/कोशल्या मगर में गुमशुदा कर्मचारियों एवं अवैध पर्दों के निराकरण हेतु समाधान शिविर निर्माण (डी.पी.एल.) जनकल्याण एवं समाधान कैम्प का आयोजन किया जाएगा। कैम्प में अधिकारियों की विभिन्न कर्मचारियों के समायोजन के लिए आवश्यक दस्तावेज जैसे समायोजन भविष्य निधि कर्मचारी पावर, वेतन रेपाक, चालान की प्रति, कैशबुक एवं बिल बॉक्सर की प्रमाणित प्रतियां सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। समस्त अंचल एवं संभागीय अधिकारियों से अधिक से अधिक अधिकारियों को उपस्थित सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है ताकि प्रकरणों का त्वरित समाधान किया जा सके। साथ ही यह भी कहा किया गया है कि अधिकारियों की विभिन्न कर्मचारियों का समायोजन न होने की स्थिति में संबंधित अंचल एवं संभागीय अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

भारतीय नमो संघ में नई नियुक्तियां, संगठन को मिले नए पदाधिकारी

अशोकनगर/भोपाल,निप्र/माधव एक्सप्रेस। भारतीय नमो संघ (मोटरएसएस) द्वारा मध्यप्रदेश में संगठन विस्तार को लेकर नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है। संगठन ने विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति कर आगामी समय में जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार सुभाष चौहान को भारतीय नमो संघ मध्यप्रदेश का कार्यसमिति अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं सत्यम अहिरवार(शिव)को भारतीय नमो संघ युवा मोर्चा मध्यप्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही दीपक सोनी पूर्व को भारतीय नमो संघ युवा मोर्चा मध्यप्रदेश का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इन सभी नियुक्तियों को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मनोज तोमर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री हेमन्त शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष इंजी. राहुल यादव एवं संगठन मंत्री भूपेंद्र चौहान की सहमति से अंतिम रूप दिया गया। संगठन ने बताया कि सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे संगठन की विचारधारा को मजबूती प्रदान करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ आमजन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। भारतीय नमो संघ के पदाधिकारियों ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन समाजहित एवं राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और युवाओं व महिलाओं को संगठन से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा।